Luk

Chapter 21

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Ἀναβλέψας	δὲ,	εἶδεν	τοὺς	βάλλοντας	εἰς	τὸ	γαζοφυλάκιον	τὰ	δῶρα
ऊपर-देखकर	और	देखा	–	डालने-वालों-को	में	–	भंडार	–	दान
G0308	G1161	G3708	G3588	G0906	G1519	G3588	G1049	G3588	G1435

αὐτῶν	πλουσίους;
अपने	धनी
G0846	G4145

> यीशु ने आँखें उठा कर देखा कि धनी लोग दान पात्र में अपनी अपनी भेंट डाल रहे हैं।

2

εἶδεν	δέ	τινα	χήραν	πενιχρὰν,	βάλλουσαν	ἐκεῖ	λεπτὰ	δύο.
देखा	और	किसी	विधवा	निर्धन	डालती-हुई	वहाँ	लेप्टा	दो
G3708	G1161	G5100	G5503	G3998	G0906	G1563	G3016	G1417

> तभी उसने एक गरीब विधवा को उसमें ताँबे के दो छोटे सिक्के डालते हुए देखा।

3

καὶ	εἶπεν,	Ἀληθῶς	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	ἡ	χήρα	αὕτη	«ἡ	πτωχὴ»,	πλεῖον
और	कहा	सच	कहता-हूँ	तुम-से	कि	–	विधवा	इस	–	गरीब-ने	अधिक
G2532	G3004	G0230	G3004	G4771	G3754	G3588	G5503	G3778	G3588	G4434	G4119

πάντων	ἔβαλεν;
सबों-से	डाला
G3956	G0906

> उसने कहा, “मैं तुमसे सत्य कहता हूँ कि दूसरे सभी लोगों से इस गरीब विधवा ने अधिक दान दिया है।

4

πάντες	γὰρ	οὗτοι	ἐκ	τοῦ	περισσεύοντος	αὐτοῖς	ἔβαλον	εἰς	τὰ	δῶρα;
सब	क्योंकि	इन्होंने	से	–	बढ़ती-हुई	उनकी	डाला	में	–	दान
G3956	G1063	G3778	G1537	G3588	G4052	G0846	G0906	G1519	G3588	G1435

αὕτη	δὲ,	ἐκ	τοῦ	ὑστερήματος	αὐτῆς,	πάντα	τὸν	βίον	ὃν	εἶχεν	ἔβαλεν.
इसने	पर	से	–	घाटी	अपनी	सब	–	जीविका	जो	थी	डाला
G3778	G1161	G1537	G3588	G5303	G0846	G3956	G3588	G0979	G3739	G2192	G0906

> यह मैं इसलिये कहता हूँ क्योंकि इन सब ही लोगों ने अपने उस धन में से जिसकी उन्हें आवश्यकता नहीं थी, दान दिया था किन्तु उसने गरीब होते हुए भी जीवित रहने के लिए जो कुछ उसके पास था, सब कुछ दे डाला।”

5

Καί	τινων	λεγόντων	περὶ	τοῦ	ἱεροῦ,	ὅτι	λίθοις	καλοῖς	καὶ
और	कुछों-के	कहने-पर	के-विषय-में	–	मन्दिर	कि	पत्थरों-से	सुन्दर	और
G2532	G5100	G3004	G4012	G3588	G2411	G3754	G3037	G2570	G2532

ἀναθήμασιν	κεκόσμηται,	εἶπεν,
भेंटों-से	सजाया-गया-है	कहा
G0334	G2885	G3004

> कुछ लोग मन्दिर के विषय में चर्चा कर रहे थे कि वह सुन्दर पत्थरों और परमेश्वर को अर्पित की गयी मनौती की भेंटों से कैसे सजाया गया है।

6

Ταῦτα	ἃ	θεωρεῖτε,	ἐλεύσονται	ἡμέραι	ἐν	αἷς	οὐκ	ἀφεθήσεται	λίθος
ये-जो	जो	देखते-हो	आएँगे	दिन	में	जिन-में	नहीं	छोड़ा-जाएगा	पत्थर
G3778	G3739	G2334	G2064	G2250	G1722	G3739	G3756	G0863	G3037

ἐπὶ	λίθῳ	(ὧδε)	ὃς	οὐ	καταλυθήσεται.
पर	पत्थर	यहाँ	जो	नहीं	ढाया-जाएगा
G1909	G3037	G5602	G3739	G3756	G2647

> तभी यीशु ने कहा, “ऐसा समय आयेगा जब, ये जो कुछ तुम देख रहे हो, उसमें एक पत्थर दूसरे पत्थर पर टिका नहीं रह पायेगा। वे सभी ढहा दिये जायेंगे।”

7

ἐπηρώτησαν	δὲ	αὐτὸν,	λέγοντες,	Διδάσκαλε,	πότε	οὖν	ταῦτα	ἔσται,	καὶ
पूछा	और	उस-से	कहते-हुए	हे-गुरु	कब	तो	ये-बातें	होंगी	और
G1905	G1161	G0846	G3004	G1320	G4219	G3767	G3778	G1510	G2532

τί	τὸ	σημεῖον	ὅταν	μέλλῃ	ταῦτα	γίνεσθαι?
क्या	–	चिन्ह	जब	वाली-होंगी	ये-बातें	होने
G5101	G3588	G4592	G3752	G3195	G3778	G1096

> वे उससे पूछते हुए बोले, “गुरु, ये बातें कब होंगी? और ये बातें जो होने वाली हैं, उसके क्या संकेत होंगे?”

8

ὁ	δὲ	εἶπεν,	Βλέπετε	μὴ	πλανηθῆτε;	πολλοὶ	γὰρ	ἐλεύσονται	ἐπὶ	τῷ
–	और	कहा	देखो	न	भटकाए-जाओ	बहुत	क्योंकि	आएँगे	पर	–
G3588	G1161	G3004	G0991	G3361	G4105	G4183	G1063	G2064	G1909	G3588

ὀνόματί	μου,	λέγοντες,	Ἐγώ	εἰμι,	καί	Ὁ	καιρὸς	ἤγγικεν.	μὴ	πορευθῆτε
नाम	मेरे	कहते-हुए	मैं	हूँ	और	–	समय	निकट-आया-है	न	जाओ
G3686	G1473	G3004	G1473	G1510	G2532	G3588	G2540	G1448	G3361	G4198

ὀπίσω	αὐτῶν.
पीछे	उनके
G3694	G0846

> यीशु ने कहा, “सावधान रहो, कहीं कोई तुम्हें छल न ले। क्योंकि मेरे नाम से बहुत से लोग आयेंगे और कहेंगे, ‘वह मैं हूँ’ और ‘समय आ पहुँचा है।’ उनके पीछे मत जाना।

9

ὅταν	δὲ	ἀκούσητε	πολέμους	καὶ	ἀκαταστασίας,	μὴ	πτοηθῆτε;	δεῖ
जब	पर	सुनो	युद्ध	और	अशान्ति	न	घबराओ	आवश्यक-है
G3752	G1161	G0191	G4171	G2532	G0181	G3361	G4422	G1163

γὰρ	ταῦτα	γενέσθαι	πρῶτον,	ἀλλ’	οὐκ	εὐθέως	τὸ	τέλος.
क्योंकि	ये-बातें	होना	पहले	परन्तु	नहीं	तुरन्त	–	अन्त
G1063	G3778	G1096	G4412	G0235	G3756	G2112	G3588	G5056

> परन्तु जब तुम युद्धों और दंगों की चर्चा सुनो तो डरना मत क्योंकि ये बातें तो पहले घटेंगी ही। और उनका अन्त तुरंत नहीं होगा।”

10

Τότε	ἔλεγεν	αὐτοῖς,	Ἐγερθήσεται	ἔθνος	ἐπ’	ἔθνος,	καὶ	βασιλεία	ἐπὶ
तब	कहता-था	उन-से	उठेगी	जाति	पर	जाति	और	राज्य	पर
G5119	G3004	G0846	G1453	G1484	G1909	G1484	G2532	G0932	G1909

βασιλείαν;
राज्य
G0932

> उसने उनसे फिर कहा, “एक जाति दूसरी जाति के विरोध में खड़ी होगी और एक राज्य दूसरे राज्य के विरोध में।

11

σεισμοί	τε	μεγάλοι,	καὶ	κατὰ	τόπους	λιμοὶ	καὶ	λοιμοὶ.	ἔσονται	φόβητρά
भूकम्प	और	बड़े	और	स्थानों-में	स्थानों	अकाल	और	महामारी	होंगे	भयानक-दृश्य
G4578	G5037	G3173	G2532	G2596	G5117	G3042	G2532	G3061	G1510	G5400

τε,	καὶ	«ἀπ’	οὐρανοῦ»	σημεῖα	μεγάλα	ἔσται.
और	और	से	स्वर्ग	चिन्ह	बड़े	होंगे
G5037	G2532	G0575	G3772	G4592	G3173	G1510

> बड़े-बड़े भूचाल आयेंगे और अनेक स्थानों पर अकाल पड़ेंगे और महामारियाँ होंगी। आकाश में भयानक घटनाएँ घटेंगी और महान संकेत प्रकट होंगे।

12	πρὸ	δὲ	τούτων	πάντων,	ἐπιβαλοῦσιν	ἐφ’	ὑμᾶς	τὰς	χεῖρας	αὐτῶν,	καὶ
	पहले	पर	इन-सब	सब	डालेंगे	पर	तुम	–	हाथ	अपने	और
	G4253	G1161	G3778	G3956	G1911	G1909	G4771	G3588	G5495	G0846	G2532

διώξουσιν,	παραδιδόντες	εἰς	τὰς	συναγωγὰς	καὶ	φυλακάς,	ἀπαγομένους	ἐπὶ
सताएंगे	सौंपते-हुए	में	–	आराधनालयों	और	बन्दीखानों	ले-जाते-हुए	के-सामने
G1377	G3860	G1519	G3588	G4864	G2532	G5438	G0520	G1909

βασιλεῖς	καὶ	ἡγεμόνας,	ἕνεκεν	τοῦ	ὀνόματός	μου.
राजाओं	और	राज्यपालों	के-कारण	–	नाम	मेरे
G0935	G2532	G2232	G1752	G3588	G3686	G1473

> “किन्तु इन बातों के घटने से पहले वे तुम्हें बंदी बना लेंगे और तुम्हें यातनाएँ देंगे। वे तुम पर अभियोग चलाने के लिये तुम्हें यहूदी आराधनालयों को सौंप देंगे और फिर तुम्हें बन्दीगृहों में भेज दिया जायेगा। और फिर मेरे नाम के कारण वे तुम्हें राजाओं और राज्यपालों के सामने ले जायेंगे।

13	ἀποβήσεται	ὑμῖν	εἰς	μαρτύριον.
	होगा	तुम्हारे-लिए	में	गवाही
	G0576	G4771	G1519	G3142

> इससे तुम्हें मेरे विषय में साक्षी देने का अवसर मिलेगा।

14	θέτε	οὖν	ἐν	ταῖς	καρδίαις	ὑμῶν,	μὴ	προμελετᾶν	ἀπολογηθῆναι;
	रखो	अतः	में	–	हृदयों	अपने	न	पहले-से-अभ्यास-करना	बचाव-करना
	G5087	G3767	G1722	G3588	G2588	G4771	G3361	G4304	G0626

> इसलिये पहले से ही इसकी चिंता न करने का निश्चय कर लो कि अपना बचाव तुम कैसे करोगे।

15	ἐγὼ	γὰρ	δώσω	ὑμῖν	στόμα	καὶ	σοφίαν,	ᾗ	οὐ	δυνήσονται	ἀντιστῆναι,
	मैं	क्योंकि	दूँगा	तुम्हें	मुँह	और	बुद्धि	जिसका	नहीं	सकेंगे	विरोध-करना
	G1473	G1063	G1325	G4771	G4750	G2532	G4678	G3739	G3756	G1410	G0436

ἢ	ἀντειπεῖν,	ἅπαντες	οἱ	ἀντικείμενοι	ὑμῖν.
या	खण्डन-करना	सब	–	विरोधी	तुम्हारे
G2228	G0483	G0537	G3588	G0480	G4771

> क्योंकि मैं तुम्हें ऐसी बुद्धि और ऐसे शब्द दूँगा कि तुम्हारा कोई भी विरोधी तुम्हारा सामना और तुम्हारा खण्डन नहीं कर सकेगा।

16	παραδοθήσεσθε	δὲ	καὶ	ὑπὸ	γονέων,	καὶ	ἀδελφῶν,	καὶ	συγγενῶν,	καὶ
	सौंपे-जाओगे	और	भी	द्वारा	माता-पिता	और	भाइयों	और	रिश्तेदारों	और
	G3860	G1161	G2532	G5259	G1118	G2532	G0080	G2532	G4773	G2532

φίλων;	καὶ	θανατώσουσιν	ἐξ	ὑμῶν.
मित्रों	और	मार-डालेंगे	में-से	तुम
G5384	G2532	G2289	G1537	G4771

> किन्तु तुम्हारे माता-पिता, भाई बन्धु, सम्बन्धी और मित्र ही तुम्हें धोखे से पकड़वायेंगे और तुममें से कुछ को तो मरवा ही डालेंगे।

17	καὶ	ἔσεσθε	μισούμενοι	ὑπὸ	πάντων	διὰ	τὸ	ὄνομά	μου.
	और	होगे	घृणित	द्वारा	सबों	के-कारण	–	नाम	मेरे
	G2532	G1510	G3404	G5259	G3956	G1223	G3588	G3686	G1473

> मेरे कारण सब तुमसे बैर करेंगे।

18	καὶ	θρὶξ	ἐκ	τῆς	κεφαλῆς	ὑμῶν,	οὐ	μὴ	ἀπόληται.
	और	बाल	से	–	सिर	तुम्हारे	नहीं	कभी	नष्ट-होगा
	G2532	G2359	G1537	G3588	G2776	G4771	G3756	G3361	G0622

> किन्तु तुम्हारे सिर का एक बाल तक बाँका नहीं होगा।

19	ἐν	τῇ	ὑπομονῇ	ὑμῶν,	κτήσασθε	τὰς	ψυχὰς	ὑμῶν.
	में	–	धैर्य	अपने	पाओ	–	प्राणों-को	अपने
	G1722	G3588	G5281	G4771	G2932	G3588	G5590	G4771

> तुम्हारी सहनशीलता, तुम्हारे प्राणों की रक्षा करेगी।

20	Ὅταν	δὲ	ἴδητε	κυκλουμένην	ὑπὸ	στρατοπέδων	Ἰερουσαλήμ,	τότε	γνῶτε	ὅτι
	जब	पर	देखो	घेरी–हुई	द्वारा	सैनिकों	यरूशलेम	तब	जानो	कि
	G3752	G1161	G3708	G2944	G5259	G4760	G2419	G5119	G1097	G3754

ἤγγικεν	ἡ	ἐρήμωσις	αὐτῆς.
निकट–आई–है	–	उजाड़	उसकी
G1448	G3588	G2050	G0846

> “अब देखो जब यरूशलेम को तुम सेनाओं से घिरा देखो तब समझ लेना कि उसका तहस नहस हो जाना निकट है।

21	τότε	οἱ	ἐν	τῇ	Ἰουδαίᾳ,	φευγέτωσαν	εἰς	τὰ	ὄρη;	καὶ	οἱ	ἐν
	तब	जो	में	–	यहूदिया	भागें	में	–	पहाड़ों	और	जो	में
	G5119	G3588	G1722	G3588	G2449	G5343	G1519	G3588	G3735	G2532	G3588	G1722

μέσῳ	αὐτῆς,	ἐκχωρείτωσαν;	καὶ	οἱ	ἐν	ταῖς	χώραις,	μὴ	εἰσερχέσθωσαν
बीच	उसके	निकलें	और	जो	में	–	देशों	न	प्रवेश–करें
G3319	G0846	G1633	G2532	G3588	G1722	G3588	G5561	G3361	G1525

εἰς	αὐτήν;
में	उस–में
G1519	G0846

> तब तो जो यहूदिया में हों, उन्हें चाहिये कि वे पहाड़ों पर भाग जायें और वे जो नगर के भीतर हों, बाहर निकल आयें और वे जो गाँवों में हों उन्हें नगर में नहीं जाना चाहिये।

22	ὅτι	ἡμέραι	ἐκδικήσεως	αὗταί	εἰσιν,	τοῦ	πλησθῆναι	πάντα	τὰ
	क्योंकि	दिन	बदले–के	ये	हैं	–	पूरी–होने–के–लिए	सब	–
	G3754	G2250	G1557	G3778	G1510	G3588	G4130	G3956	G3588

γεγραμμένα.
लिखी–हुई–बातों–को
G1125

> क्योंकि वे दिन दण्ड देने के होंगे। ताकि जो लिखी गयी हैं, वे सभी बातें पूरी हों।

23	οὐαὶ	ταῖς	ἐν	γαστρὶ	ἐχούσαις,	καὶ	ταῖς	θηλαζούσαις,	ἐν	ἐκείναις
	हाय	–	में	गर्भ	रखने–वालियों	और	–	दूध–पिलाने–वालियों–को	में	उन
	G3759	G3588	G1722	G1064	G2192	G2532	G3588	G2337	G1722	G1565

ταῖς	ἡμέραις;	ἔσται	γὰρ	ἀνάγκη	μεγάλη	ἐπὶ	τῆς	γῆς,	καὶ	ὀργὴ	τῷ
–	दिनों	होगी	क्योंकि	संकट	बड़ा	पर	–	पृथ्वी	और	क्रोध	–
G3588	G2250	G1510	G1063	G0318	G3173	G1909	G3588	G1093	G2532	G3709	G3588

λαῷ	τούτῳ.
लोगों–पर	इस
G2992	G3778

> उन स्त्रियों के लिये, जो गर्भवती होंगी और उनके लिये जो दूध पिलाती होंगी, वे दिन कितने भयानक होंगे। क्योंकि उन दिनों इस धरती पर बहुत बड़ी विपत्ति आयेगी और इन लोगों पर परमेश्वर का क्रोध होगा।

24	καὶ	πεσοῦνται	στόματι	μαχαίρης,	καὶ	αἰχμαλωτισθήσονται	εἰς	τὰ	ἔθνη;
	और	गिरेंगे	धार-से	तलवार-की	और	बन्दी-बनाए-जाएँगे	में	–	अन्यजातियाँ
	G2532	G4098	G4750	G3162	G2532	G0163	G1519	G3588	G1484

πάντα	καὶ	Ἰερουσαλὴμ	ἔσται	πατουμένη	ὑπὸ	ἐθνῶν,	ἄχρι	οὗ	πληρωθῶσιν
सब	और	यरूशलेम	होगी	रौंदी-जाती-हुई	द्वारा	अन्यजातियों	जब-तक	कि	पूरे-हों
G3956	G2532	G2419	G1510	G3961	G5259	G1484	G0891	G3739	G4137

(καὶ	ἔσονται)	καιροὶ	ἐθνῶν.
और	होंगे	समय	अन्यजातियों-के
G2532	G1510	G2540	G1484

> वे तलवार की धार से गिरा दिये जायेंगे। और बंदी बना कर सब देशों में पहुँचा दिये जायेंगे और यरूशलेम गैर यहूदियों के पैरों तले तब तक रौंदा जायेगा जब तक कि ग़ैर यहूदियों का समय पूरा नहीं हो जाता।

25	Καὶ	ἔσονται	σημεῖα	ἐν	ἡλίῳ,	καὶ	σελήνῃ,	καὶ	ἄστροις;	καὶ	ἐπὶ	τῆς
	और	होंगे	चिन्ह	में	सूर्य	और	चन्द्रमा	और	तारों	और	पर	–
	G2532	G1510	G4592	G1722	G2246	G2532	G4582	G2532	G0798	G2532	G1909	G3588

γῆς	συνοχὴ	ἐθνῶν	ἐν	ἀπορίᾳ,	ἤχους	θαλάσσης	καὶ	σάλου,
पृथ्वी	व्याकुलता	अन्यजातियों-की	में	बेबसी	गर्जन	समुद्र-की	और	लहरों-का
G1093	G4928	G1484	G1722	G0640	G2279	G2281	G2532	G4535

> “सूरज, चाँद और तारों में संकेत प्रकट होंगे और धरती पर की सभी जातियों पर विपत्तियाँ आयेंगी और वे सागर की उथल-पुथल से घबरा उठेंगे।

26	ἀποψυχόντων	ἀνθρώπων	ἀπὸ	φόβου	καὶ	προσδοκίας	τῶν	ἐπερχομένων	τῇ
	मूर्छित-होते-हुए	मनुष्य	से	भय	और	प्रतीक्षा	–	आने-वाली-बातों-की	–
	G0674	G0444	G0575	G5401	G2532	G4329	G3588	G1904	G3588

οἰκουμένῃ;	αἱ	γὰρ	δυνάμεις	τῶν	οὐρανῶν	σαλευθήσονται.
संसार-पर	–	क्योंकि	शक्तियाँ	–	स्वर्गों-की	हिलाई-जाएंगी
G3625	G3588	G1063	G1411	G3588	G3772	G4531

> लोग डर और संसार पर आने वाली विपदाओं के डर से मूर्छित हो जायेंगे क्योंकि स्वर्गिक शक्तियाँ हिलाई जायेंगी।

27	καὶ	τότε	ὄψονται	τὸν	Υἱὸν	τοῦ	ἀνθρώπου,	ἐρχόμενον	ἐν	νεφέλῃ,	μετὰ
	और	तब	देखेंगे	–	पुत्र-को	–	मनुष्य-के	आते-हुए	में	बादल	साथ
	G2532	G5119	G3708	G3588	G5207	G3588	G0444	G2064	G1722	G3507	G3326

δυνάμεως	καὶ	δόξης	πολλῆς.
शक्ति	और	महिमा	बड़ी
G1411	G2532	G1391	G4183

> और तभी वे मनुष्य के पुत्र को अपनी शक्ति और महान् महिमा के साथ एक बादल में आते हुए देखेंगे।

28	ἀρχομένων	δὲ	τούτων	γίνεσθαι,	ἀνακύψατε	καὶ	ἐπάρατε	τὰς	κεφαλὰς
	शुरू-होते-हुए	पर	इन-बातों-के	होने	सीधे-खड़े-हो	और	उठाओ	–	सिरों-को
	G0756	G1161	G3778	G1096	G0352	G2532	G1869	G3588	G2776

ὑμῶν,	διότι	ἐγγίζει	ἡ	ἀπολύτρωσις	ὑμῶν.
अपने	क्योंकि	निकट-आती-है	–	छुटकारा	तुम्हारी
G4771	G1360	G1448	G3588	G0629	G4771

> अब देखो, ये बातें जब घटने लगें तो तुम खड़े होकर अपने सिर ऊपर उठा लेना। क्योंकि तुम्हारा छुटकारा निकट आ रहा होगा।”

29	Καὶ	εἶπεν	παραβολὴν	αὐτοῖς:	Ἴδετε	τὴν	συκῆν	καὶ	πάντα	τὰ	δένδρα:
	और	कही	दृष्टान्त	उन-से	देखो	–	अंजीर-का-पेड़	और	सब	–	पेड़ों-को
	G2532	G3004	G3850	G0846	G3708	G3588	G4808	G2532	G3956	G3588	G1186

> फिर उसने उनसे एक दृष्टान्त-कथा कही: “और सभी पेड़ों तथा अंजीर के पेड़ को देखो।

30	ὅταν	προβάλωσιν	ἤδη,	βλέποντες	ἀφ’	ἑαυτῶν,	γινώσκετε	ὅτι	ἤδη	ἐγγὺς
	जब	फूटें	पहले-से	देखते-हुए	से	अपने-आप	जानते-हो	कि	पहले-से	निकट
	G3752	G4261	G2235	G0991	G0575	G1438	G1097	G3754	G2235	G1451

τὸ	θέρος	ἐστίν.
–	ग्रीष्म	है
G3588	G2330	G1510

> उन में जैसे ही कोंपले फूटती हैं, तुम अपने आप जान जाते हो कि गर्मी की ऋतु बस आ ही पहुँची है।

31	οὕτως	καὶ	ὑμεῖς,	ὅταν	ἴδητε	ταῦτα	γινόμενα,	γινώσκετε	ὅτι	ἐγγύς	ἐστιν
	ऐसे	भी	तुम	जब	देखो	ये-बातें	होती-हुईं	जानो	कि	निकट	है
	G3779	G2532	G4771	G3752	G3708	G3778	G1096	G1097	G3754	G1451	G1510

ἡ	βασιλεία	τοῦ	Θεοῦ.
–	राज्य	–	परमेश्वर-का
G3588	G0932	G3588	G2316

> वैसे ही तुम जब इन बातों को घटते देखो तो जान लेना कि परमेश्वर का राज्य निकट है।

32	ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	οὐ	μὴ	παρέλθῃ	ἡ	γενεὰ	αὕτη,	ἕως	ἂν
	सच	कहता-हूँ	तुम-से	कि	नहीं	कभी	बीतेगी	–	पीढ़ी	यह	जब-तक	कोई
	G0281	G3004	G4771	G3754	G3756	G3361	G3928	G3588	G1074	G3778	G2193	G0302

πάντα	γένηται.
सब	हो-जाए
G3956	G1096

> “मैं तुमसे सत्य कहता हूँ कि जब तक ये सब बातें घट नहीं लेतीं, इस पीढ़ी का अंत नहीं होगा।

33	ὁ	οὐρανὸς	καὶ	ἡ	γῆ	παρελεύσονται,	οἱ	δὲ	λόγοι	μου	οὐ
	–	स्वर्ग	और	–	पृथ्वी	बीत-जाएंगे	–	पर	वचन	मेरे	नहीं
	G3588	G3772	G2532	G3588	G1093	G3928	G3588	G1161	G3056	G1473	G3756

μὴ	παρελεύσονται.
कभी	बीतेंगे
G3361	G3928

> धरती और आकाश नष्ट हो जाएँगे, पर मेरा वचन सदा अटल रहेगा।

34	Προσέχετε	δὲ	ἑαυτοῖς,	μή‿	ποτε	βαρηθῶσιν	ὑμῶν	αἱ	καρδίαι	ἐν
	सावधान-रहो	पर	अपने-आप	कभी	–	भारी-हो-जाएं	तुम्हारे	–	हृदय	में
	G4337	G1161	G1438	G3361	G4219	G0916	G4771	G3588	G2588	G1722

κραιπάλῃ,	καὶ	μέθῃ,	καὶ	μερίμναις	βιωτικαῖς;	καὶ	ἐπιστῇ	ἐφ’	ὑμᾶς
भोज-विलास	और	नशे	और	चिन्ताओं-से	जीवन-की	और	आ-जाए	पर	तुम
G2897	G2532	G3178	G2532	G3308	G0982	G2532	G2186	G1909	G4771

αἰφνίδιος	ἡ	ἡμέρα	ἐκείνη;
अचानक	–	दिन	वह
G0160	G3588	G2250	G1565

> “अपना ध्यान रखो, ताकि तुम्हारे मन कहीं डट कर पीने पिलाने और सांसारिक चिंताओं से जड़ न हो जायें। और वह दिन एक फंदे की तरह तुम पर अचानक न आ पड़े।

35	ὡς	παγίς	ἐπεισελεύσεται	γὰρ	ἐπὶ	πάντας	τοὺς	καθημένους	ἐπὶ	πρόσωπον
	जैसे	फन्दे	आएगा	क्योंकि	पर	सबों	–	बैठने-वालों	पर	मुख
	G5613	G3803	G1904	G1063	G1909	G3956	G3588	G2521	G1909	G4383

πάσης	τῆς	γῆς.
सारी	–	पृथ्वी-की
G3956	G3588	G1093

> निश्चय ही वह इस समूची धरती पर रहने वालों पर ऐसे ही आ गिरेगा।

36 ἀγρυπνεῖτε δὲ ἐν παντὶ καιρῷ, δεόμενοι ἵνα κατισχύσητε ἐκφυγεῖν
जागते-रहो पर में हर समय प्रार्थना-करते-हुए कि सको बचना
G0069 G1161 G1722 G3956 G2540 G1189 G2443 G2729 G1628

ταῦτα πάντα τὰ μέλλοντα γίνεσθαι, καὶ σταθῆναι ἔμπροσθεν τοῦ Υἱοῦ
ये-सब-जो सब – वाली-बातों-को होने और खड़े-होना सामने – पुत्र-के
G3778 G3956 G3588 G3195 G1096 G2532 G2476 G1715 G3588 G5207

τοῦ ἀνθρώπου.
– मनुष्य-के
G3588 G0444

> हर क्षण सतर्क रहो, और प्रार्थना करो कि तुम्हें उन सभी बातों से, जो घटने वाली हैं, बचने की शक्ति प्राप्त हो। और आत्म-विश्वास के साथ मनुष्य के पुत्र के सामने खड़े हो सको।”

37 Ἦν δὲ τὰς ἡμέρας ἐν τῷ ἱερῷ διδάσκων, τὰς δὲ νύκτας
था और – दिनों में – मन्दिर सिखाता-हुआ – और रातों
G1510 G1161 G3588 G2250 G1722 G3588 G2411 G1321 G3588 G1161 G3571

ἐξερχόμενος, ηὐλίζετο εἰς τὸ ὄρος τὸ καλούμενον Ἐλαιῶν.
निकलकर ठहरता-था पर – पहाड़ – बुलाये-जाने-वाले ज़ैतून
G1831 G0835 G1519 G3588 G3735 G3588 G2564 G1636

> प्रतिदिन वह मन्दिर में उपदेश दिया करता था किन्तु, रात बिताने के लिए वह हर साँझ जैतून नामक पहाड़ी पर चला जाता था।

38 καὶ πᾶς ὁ λαὸς ὤρθριζεν πρὸς αὐτὸν ἐν τῷ ἱερῷ ἀκούειν αὐτοῦ.
और सब – लोग सवेरे-आते-थे के-पास उसके में – मन्दिर सुनने उसकी
G2532 G3956 G3588 G2992 G3719 G4314 G0846 G1722 G3588 G2411 G0191 G0846

> सभी लोग भोर के तड़के उठते ताकि मन्दिर में उसके पास जाकर, उसे सुनें।